2125-05 **Printed Pages : 8**

Degree (Part -III) Examination, 2022

(Honours)

SANSKRIT

[PPU-D-III-(H)-SANK-5]

(Vedic Vangmaya)

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

निर्देश : परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं। प्रत्येक समूह में दिए गए निर्देश के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

समूह-अ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए- [10×2=20]

(i) वैदिक देवताओं की संख्या कितनी है?

(ii) विष्णु का निवास स्थान कहाँ है?

(iii) ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या कितनी है?

(iv) गायत्री मंत्र किस देवता के लिए किया जाता है?

(v) अथर्ववेद के कुल मंत्र कितने हैं?

(vi) राजन् शब्द तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप लिखिए।

(vii) गम् धातु के लट्लकार (परस्मैपद) में प्रथमपुरुष एकवचन का रूप लिखिए।

(viii) होता किस वेद से सम्बद्ध है?

(ix) शिव संकल्प सूक्त किस वेद में है?

(x) दमूनाः किस देवता को कहते हैं?

(xi) किस देवता को सूर्य की पत्नी या माता कहा गया है?

(xii) कठोपनिषद् कृष्ण यजुर्वेद की किस शाखा से सम्बन्धित है?

(xiii) कठोपनिषद् में नचिकेता को कितने वरदान का वर्णन है?

(xiv) महाभास्य में कुल कितने आह्निक हैं?

(xv) वेदांग कितने प्रकार के होते हैं?

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

समूह-ब

(लघूत्तरीय प्रश्न)

2. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - [4×5=20]

(i) हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए-

आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च।
हिरण्ययेन सविता रथेना देवो योति भुवनानि पश्यन्।।

(ii) हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए -

भः शम्बेरं पर्वतेषु क्षियन्तं चत्वारिंश्यां शरदन्धविन्दत्।
ओजायमोनं यो अहिं जघानं दानुंशयोनं स जनासं इन्द्रः।।

(iii) हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए-

प्र विष्णवे शूषमेतु मन्य गिरिक्षिते उरुगायाय वृष्णे।
य इदं दीर्घं प्रयतं सधस्थमेको विममे त्रियिरित्यदेभिः।।

(iv) संस्कृत में व्याख्या कीजिए-

अनुपश्य यथा पूव प्रतिपश्य तथापरे।
सस्यभिव मर्त्यः पच्यते सस्यभिवा जायते पुनः।।

https://www.ppuponline.com

(v) 'मति' शब्द का रूप सभी विभक्तियों एवं वचनों में लिखिए।

(vi) सामवेद पर टिप्पणी लिखिए।

समूह-स

(दीर्घ उतरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए - [3×20=60]

1. संस्कृत में व्याख्या कीजिए -

(i) अग्निहौता कविक्रतुः सव्यश्चित्रश्रवस्तमः।
देवो देवेभिरागमत्।।

(ii) तद्स्य प्रियमभि पाथो अस्यां नरो यत्र देव मवो मदन्ति।
उरूक्रमस्य स हि बन्धुरित्था विष्णोः पदे परमेमहवउत्सः।।

2. (i) इन्द्रदेव का परिचय पाठ्यांश के आधार पर प्रस्तुत कीजिए।

(ii) अग्निदेव का परिचय पाठ्यांश के आधार पर प्रस्तुत कीजिए।

3. (i) कठोपनिषद् का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) कठोपनिषद् के आधार पर श्रेय एवं प्रेय में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

https://www.ppuponline.com

4. (i) वैदिक स्वराघात पर प्रकाश डालिए।

(ii) वैदिक सन्धिगत पर प्रकाश डालिए।

5. (i) प्रमुख उपनिषदों का वर्णन कीजिए।

(ii) वेदाङ्ग कितने प्रकार के होते हैं? वर्णन कीजिए।

6. (i) वेदों के निर्माण काल का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

(ii) ऋग्वेद संहिता पर प्रकाश डालिए।

https://www.ppuponline.com